* साधारण सभा :-

साधारण सभा राष्ट्र संघ का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अंग था। इसमें संघ के सभी सदस्यों को शामिल किया गया था। सभा में कोई भी सदस्य देश अधिकतम तीन प्रतिनिधि भेज सकता था, किंतु उसका मत एक ही गिना जाता था।

साधारण सभा के कार्य बहुत अधिक व्यापक है। जो इस प्रकार है:-

- राष्ट्र संघ का बजट पारित करना।
- परिषद के अस्थायी सदस्यों को चुनना।
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति करना।
- राष्ट्र संघ के नये सदस्य बनाना आदि।

यह सभा ऐसे प्रत्येक विषय पर विचार करती थी। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय शांति के भंग होने की आशंका हो। वास्तव में यह सभा राष्ट्र संघ का एक प्रभावशाली अंग थी।

* परिषद :-

परिषद राष्ट्र संघ का सर्वाधिक शक्ति सम्पन्न अंग था। साधारण सभा में राष्ट्रसंघ के सभी सदस्य थे किंतु परिषद में सीमित सदस्य थे। इसमें दो प्रकार के सदस्य थे - स्थायी और अस्थायी। स्थायी सदस्यों में ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान और इटली थे। राष्ट्रसंघ अमेरिका के राष्ट्रपति वुडरो विल्सन के दिमाग की उपज थी फिर भी अमेरिका कभी इसका सदस्य नहीं बना था। परिषद के प्रमुख कार्य थे :-

- बाह्य आक्रमणों से सदस्य राष्ट्रों की अखण्डता की रक्षा करना।
- अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का प्रबन्ध करना
- सचिवालय को समय-समय पर निर्देश देना तथा निःशस्त्रीकरण की योजना बनाना इत्यादि।